

जायदाद  
को पेश हो।

~~रिजि~~

१०.३.२१

परावपी पेश की प्राप्ति की ओर से परावपी को झगे नही चलाने का प्राप्ति पर पेश उभरा। प्राप्ति पर के अनुमान परकारण मे राजीनामा हो गया है इसलिए इस परावपी को झगे नही चलाने चाहते हैं और प्राप्ति पर के आवाज पर परावपी वच ही जाती है परावपी नामक अनुमान से वच होकर राजीनामा उभरते हैं।

